

जयपुर अधिका
जयपुर (राजस्थान)

23⁰⁵/₂₂

पत्नी

Id by ur
[Signature]

प्रार्थना जारी रखिए व उपासक है
 एक प्रयोग पर प्रयोग आरोग्य बीदे
 नाकर निवेद किया गया। पर्यवली निवेद
 के लक्षण की गई। प्रार्थना आप प्र. प्र.
 पेप का निवेद किया की प्रकृत के सुखान
 के लक्षण शरीरगत है उनको (मोर्कि) प्रकृत
 आरोग्य बीदे जारी है निवेद किया गया।
 इति प्रकृत के शरीरगत है नहि है
 उक्त आरोग्य किया द्वारा प्र पर्यवली
 प्रकृत उक्त लेकर रख है - कप है।

दि

जयपुर अधिका
जयपुर (राजस्थान)